2025

HINDI

(Regular Generic)

Paper : HIN-RG-6016

(तुलनात्मक भारतीय साहित्य : असमीया कहानी)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) प्रथम असमीया कहानी-संग्रह कब प्रकाशित हुआ था?

(ख) 'आवाहन-युग' की कहानियों की किसी एक प्रमुख विशेषता का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'चिरदस्तादार' किस कहानी का पात्र है?

(घ) पूरबी बरमुदै को 'साहित्य अकाडेमी' पुरस्कार कब प्राप्त हुआ था?

(ङ) 'रामधेनु-युग' के किसी एक कहानीकार का नामोल्लेख कीजिए।

(च) 'जोनबिरि' कहानी-संग्रह के लेखक कौन हैं?

(छ) 'गह्वर' किसका कहानी-संग्रह है?

(ज) 'धोरा साँप' कहानी के एक पुरुष-पात्र का नाम लिखिए।

(झ) स्नेह देवी की कहानियों की कोई एक विशेषता बताइए।

(ञ) शरत्चन्द्र गोस्वामी के किसी एक कहानी-संग्रह का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) महीचन्द बरा के किन्हीं दो कहानी-संग्रहों के नाम लिखिए।

(ख) लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा की कहानियों की कोई दो विशेषताएँ बताइए।

(ग) "स्वार्थपर! किन्तु सकलो नहय। समाजर एदल यदि स्वार्थपर; आनदल उदार। नहाले एनेकुवा होजा, सरल मानुहबोर पृथिवीत वाचि थाकिव नोवारिलेहेँतेन।" —किसने किससे कहा था?

(घ) 'धोरा साँप' कहानी की चन्द्रिकर की किन्हीं दो चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) जोनाकी-युग की कहानियों की कोई दो विशेषताएँ दर्शाइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'बीणा कुटिर' कहानी के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) कहानीकार के रूप में सैयद अब्दुल मलिक का परिचय दीजिए।

(ग) महीचन्द बरा की कहानियों की किन्हीं तीन भावपक्षीय विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(घ) 'रे बड़े भाई' के माध्यम से कहानीकार क्या कहना चाहता है?

(ङ) मधुपुर के साथ कहानीकार का क्या सम्बन्ध है? स्पष्ट कीजिए।

(च) पठित कहानी के आधार पर लीलाकांत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

जानो! मानुहर मति गतिर कथा ताइनो किटो गम पाय। एजाक मानुहे हेचाँ मारि धरिले! ...एजाक मानुहे बिया कराबलै हेचाँ मारि धराटो केनेकुवा बस्तु ताइ अनुमान करिबओ नोवारे। ताइ बर बचि जाने, बिया करिबलै हेचा मारि नधरिले राति रेलत उठि गुचि जाब पारि। एटा कथा ताइ अवश्ये धरि लले, एजाक मानुहे जोर करिले बोधहय आरु आपत्ति करिब नोवारि।

अथवा

जिलार बरसाहाब कि एटा स्टेचनत नामि तार ओचरते इनस्पेकचन बङलाते आछेहि। नदरामे तार गोचर बरसाहाबक जनाले। साहाबे हुकुम करिले जे ताहाँतर निज गाँवत गै तेओ पाछदिनाइ एइ कथार सु-मीमांसा करिब।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) कहानी-कला के आधार पर 'पर्दा' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

जज जाविद का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'जलकुँवरी' **अथवा** 'राजनीति नुबुजा मानुह' कहानी के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(ग) शीलभद्र की कहानियों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

असमीया कहानी-साहित्य को योगेश दास की देन का मूल्यांकन कीजिए।

★★★